प्रैस विज्ञप्ति
31.07.2006
कार्यनिष्पादन विशिष्ताएं
(2006-07 की पहली तिमाही के लिए)

पंजाब नैशनल बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री एस.सी गुप्ता ने वित्तीय वर्ष 2006-07 की पहली तिमाही के लिए बैंक के समीक्षित परिणामों की घोषणा की ।

क लाभ, आय, व्यय और पूंजी

* जून 2006 को समाप्त तिमाही के लिए बैंक का परिचालन लाभ 490.56 करोड़ रूपये रहा जो पिछले वर्ष के 644.51 करोड़ रूपये की तुलना में कम है। इस प्रकार इसमें 23.9 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। यह 386.76 करोड़ रूपये प्रतिभूतियों को एएफएस वर्ग (बिक्री के लिए उपलब्ध)से एचटीएम वर्ग (परिपकवता के लिए राखी गई)में अन्तरित करने के कारण हैं। इस हानि को निकालने पर बैंक का परिचालन लाभा 877.32 करोड़ रूपये होता और इससे इसमें 36.1 प्रतिशत की वृद्धि होती।

* वित्तीय वर्ष 2006-07 की पहली तिमाही के लिए बैंक ने 367.52 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान यह 358.16 करोड़ रूपये था और इस प्रकार इसमें वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 2.61 प्रतिशत की रही। प्रतिभूतियों को एएफएस वर्ग से एचटीएम वर्ग में अन्तरित करने के कारण हानि को शामिल न करने पर बैंक का शुद्ध लाभ 754.28 करोड़ रूपये है जिससे 110.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है ।

* जून 2006 को समाप्त तिमाही के लिए 123.04 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गयाजो जून 2005 को समाप्त तिमाही के लिए 286.35 करोड़ रूपये के प्रावधान की तुलना में कम है इससे इसमें 57.0 प्रतिशत की कमी आयी।

* जून 2006 को समाप्त पहली तिमाही के लिए बैंक की शुद्ध ब्याज-आय में वर्ष-दर-वर्ष 18.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 1293 करोड़ रूपये हो गई जबकि जून 2005 में यह 1088 करोड़ रूपये थी ।

* जून 2005 को समाप्त पहली तिमाही के लिए बैंक की कुल आय 2543 करोड़ रूपये थी और इसमें वर्ष दर वर्ष 14.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 2922 करोड़ रूपये हो गई। बैंक की ब्याज आय 2290 करोड़ रूपये से बढ़कर 2641 करोड़ रूपये हो गई, इस प्रकार इसमें वर्ष दर वर्ष 15.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई । कमीशन,विनिमय तथा दलाली के माध्यम से प्राप्त की गई ब्याज इतर आय में 52.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह जून 2006 में बढ़कर रू0 243 करोड़ हो गई जबकि जून 2005 में यह रू0 160 करोड़ थी।

* जून 2006 को समाप्त तिमाही के दौरान कुल व्यय (प्रावधान को छोड़कर) 2045 करोड़ रूपये रहा और तिमाही के दौरान इसमें 7.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई । जबकि 2006-07 की पहली तिमाही के दौरान ब्याज व्यय में 12.2 प्रतिशत की वृद्धि और ब्याज इतर व्यय की स्थिति में कोई परिवर्तन नही हुआ ।

* शुद्ध ब्याज मार्जिन जून,2005 में प्रतिशत था जो जून 2006 में बढ़कर प्रतिशत हो गया ।

* आस्तियों पर आय जून,2005 के अन्त में 1.06 प्रतिशत थी तथा मार्च 2006 के अन्त में 1.09 प्रतिशत थी जो जून 2006 के अन्त में प्रतिशत हो गयी।

* बैंक की जोखिम आस्ति की तुलना में पूंजी अनुपात (कैपिटल टु रिस्क असैट रेशो) जून, 2006 के अंत में 12.40 प्रतिशत रहा, जो मार्च 2005 के अंत में रहे 11.95 प्रतिशत की तुलना में अधिक है ।

* बैंक की शाखाओं की संख्या राष्ट्रीयकृत बैंकों में से सर्वाधिक है । जून 2006 के अंत में बैंक की 4514 शाखाएं हो गई जिनमें 441 विस्तार पटल भी शामिल हैं।

ख. कारोबार

* जून 2006 के अंत में कुल कारोबार 1,94-719 करोड़ रूपये रहा जबकि जून 2005 के अंत में यह 1,57,738 करोड़ रूपये था । इस प्रकार इसमें वर्ष-दर-वर्ष 23.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।

* जून 2006 के अंत में बैंक की जमाराशियां 1,17,173 करोड़ रुपये हो गईं जबकि जून 2005 के अंत में ये 1,01,303 करोड़ रुपये थीं और इस प्रकार इनमें वर्ष-दर-वर्ष 15.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कम लागत की जमाराशियों पर बैंक द्वारा विशेष ज़ोर दिया जाता रहा तथा ये कुल जमाराशियों में से 48.56 प्रतिशत रहीं जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही के दौरान यह 45.56 प्रतिशत थीं।

* जून 2005 के अंत में बैंक के अग्रिम 56,435 करोड़ रुपये थे जो जून 2006 में 77,546 करोड़ रुपये हो गये और इस प्रकार इनमें वर्ष-दर-वर्ष 37.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आवास, ट्रेडर, व्यावसायिकों, सैन्य अधिकारियों, सरकारी/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारियों, पैंशनरों आदि के लिये बैंक की विभिन्न ऋण योजनाएं हैं। ऋणों की गुणवत्ता में अधिक सुधार लाने के लिए बैंक ने कई कदम उठाए जैसे सभी अंचल केन्द्रों में विशेष ऋण मूल्यांकन कक्षों की स्थापना, ऋण प्रस्तावों पर ऑन-लाइन नज़र रखना और उचित सावधानी बरतना। बैंक ने 2 करोड़ रुपये तथा उससे अधिक राशि के मध्यम आकार के कारोबार के लिए 7 मिड कार्पोरेट शाखाएं (एमसीबी) और 25 करोड़ और उससे अधिक राशि के बड़े कार्पोरेट्स के लिए 7 लार्ज कार्पोरेट शाखाएं खोली हुई हैं।

* जून 2005 में जमाराशियों की लागत प्रतिशत थी जो जून 2006 में घटकर प्रतिशत रह गई। मार्च 2006 के लिए जमाराशियों की लागत प्रतिशत थी।

* जून 2006 में अग्रिमों से होने वाली आय में सुधार हुआ और इसका प्रतिशत बढ़कर हो गया जबकि जून 2005 में यह प्रतिशत तथा मार्च 2006 में प्रतिशत थी।

ग. खुदरा बैंकिंग

* जून 2006 को बकाया खुदरा ऋण 18180 करोड़ रुपये रहे जबकि 30 जून 2005 के अन्त में यह राशि 12206 करोड़ रुपये थी, इस प्रकार इनमें 48.9 % की वृद्धि हुई। बैंक ने खुदरा ऋणों के अन्तर्गत, आवास ऋणों में 60 प्रतिशत की सराहनीय वृद्धि की और जून 2006 के अंत में ये बढ़कर 7957 करोड़ रुपये हो गए जबकि जून 2005 में ये 4968 करोड़ रुपये थे। बंधक खण्ड के ऋणों की राशि भी बढ़कर 1267 करोड़ रुपये हो गई और इसमें 108 प्रतिशत की अधिकतम वृद्धि हुई। अन्य क्षेत्र जिनमें बेहतर वृद्धि हुई वे हैं पट्टा किराया (77%), डाक्टरों को दिए गए ऋणों (60%), ट्रेडर ऋणों (51 %) शिक्षा ऋणों में (37%) हुई। इन वर्गों को ऋण प्रदान करने में अत्यधिक प्रतिस्पर्द्धा को ध्यान में रखते हुए, पीएनबी ने कम्पनियों तथा संस्थाओं को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार सेवाएं प्रदान करने पर बल दिया जिसमें गुणवत्तापूर्ण सेवा पर अधिक बल दिया गया।

* बैंक द्वारा 470 केन्द्रों में नकदी प्रबन्धन सेवाएं उपलब्ध कराई गई है। जून, 2006 के अंत में बैंक ने 6054 करोड़ रुपये की राशि की 6.18 लाख लिखतें उगाहीं और बैंक को 7 करोड़ रुपये की आय हुई है।

* "प्रिंसिपल पीएनबी एएमसी प्रा.लि." के म्यूचुअल फण्ड उत्पादों के वितरण का कार्य वर्ष 2004 में आरम्भ किया गया। यह कार्य बैंक के 25 अंचलों के माध्यम से किया जा रहा है जबकि पिछले वर्ष यह कार्य 10 अंचलों के माध्यम से किया जा रहा था। वर्ष 2006-07 की पहली तिमाही के दौरान म्यूचुअल फण्ड उत्पादों के वितरण से बैंक को 14.05 लाख रुपये की फीस आधारित आय प्राप्त हुई है।

* बैंक ने पीएनबी प्रिंसिपल इंश्योरेंस एडवाइज़री कं. (प्रा) लि. के नाम से नई संयुक्त उद्यम बीमा दलाली कम्पनी बनाई है जो बहुत अच्छा कार्य कर रही है। चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के दौरान इस कम्पनी ने सारे देश में बैंक की शाखाओं के जरिए 0.91 लाख पालिसियों पर 24.08 करोड़ रुपये प्रीमियम एकत्र किया। कम्पनी ने रुपये 1.18 करोड़ की फीस आधारित आय अर्जित की है। इस कम्पनी ने हाल ही में पीएनबी के ग्राहकों के लिए पीएनबी-मेट लाइफ बीमा प्रॉडक्ट तैयार किया है। बैंक ने अपने कर्मचारियों के लिए "पीएनबी-परिवार भविष्य अरोग्य मेडिक्लेम पॉलिसी" (सेवानिवृति पश्चात्) भी तैयार की है।

घ. प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम

* जून 2005 में प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम 26226 करोड़ रुपये थे जो जून 2006 में बढ़कर 34,020 करोड़ रुपये हो गए, इनमें 29.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। शुद्ध बैंक ऋणों में प्राथमिकता क्षेत्र के अग्रिमों का अनुपात 45.54 प्रतिशत रहा जबकि राष्ट्रीय लक्ष्य 40 प्रतिशत का है।

* जून 2006 में कृषि क्षेत्र के ऋणों में 38.1 % की वृद्धि हुई और ये बढ़कर 15295 करोड़ रूपये हो गए । बैंक के शुद्ध ऋणों में कृषि ऋणों के हिस्सा 15.78 प्रतिशत रहा । बैंक ने 2006-07 की पहली तिमाही के दौरान 52.21 हजार किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए और इस प्रकार जारी किए गए संचयी कार्डों की संख्या बढ़कर 18.54 लाख हो गई।

* जून 2006 में बैंक द्वारा दिए गए लघु उद्योग ऋण 8434 करोड़ रूपये हो गए जबकि जून 2005 के अन्त मे ये ऋण 6707 करोड़ रूपये थे । इनमें 25.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई । जून 2006 के अन्त में शुद्ध बैंक ऋणों में लघु उद्योग ऋण का अनुपात 12.9 प्रतिशत रहा ।

ड़ अनर्जक आस्ति प्रबन्धन

* जून 2005 में बैंक के सकल अग्रिमों के मुकाबले सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत 6.02 था जो जून 2006 के अंत में 3.98 प्रतिशत हो गया । मार्च 2006 के अन्त में इनका अनुपात 4.1 प्रतिशत था ।

* जून 2005 के अन्त में शुद्ध अग्रिमों के मुकाबले शुद्ध एनपीए का अनुपात 0.09 प्रतिशत था जो जून, 2006 में 035 प्रतिशत हो गया। मार्च 2006 के अन्त में यह अनुपात 0.20 प्रतिशत था।

च निर्यात-आयात

* जून 2006 में बैंक का निर्यात टर्नओवर रूपये 5360 करोड़ रहा जबकि जून 2005 में यह 4483 करोड़ रूपये था । इस प्रकार इसमें 19.6 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई।

* आयात टर्नओवर में 50.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई । जून 2006 में बैंक का आयात टर्नओवर रूपये 7726 करोड़ रहा जबकि जून 2005 में यह रूपये 5135 करोड़ था ।

* जून 2006 में कुल निर्यात-आयात टर्नओवर बढ़कर 13086 करोड़ रूपये हो गया जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान यह 9618 करोड़ रूपये था । इस प्रकार इसमें 36.05 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई।

* जून 2006 में निर्यात ऋण बकाया में 31.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 5120 करोड़ रूपये हो गया जबकि जून 2005 में यह राशि 3891 करोड़ रूपये थी।

छ सूचना प्रौद्योगिकी

* देश के 544 केन्द्रों के 2112 सेवा केन्द्रों में कोर बैंकिंग सॉल्यूशन को लागू किया जिसके माध्यम से बैंक के कुल कारोबार में से 78.7 प्रतिशत कारोबार किया जा रहा है। लगभग 162 लाख ग्राहकों को "कभी भी कहीं भी "बैंकिंग की सुविधा उपलब्ध है।

* अन्तर बैंक निधि अन्तरण सुविधा प्रदान करने के लिए बैंक की 1794 शाखाओं में आरटीजीएस प्रणाली परिचालन में है। अन्तः बैंक निधियों के स्थानांतरण के लिए 1264 शाखाओं में स्ट्रक्चर्ड फाइनेंशियल मैसेजिंग सिस्टम (एसएफएमएस) लागू की गयी है ।

* बैंकिंग की लागत-प्रभावी वैकल्पिक सुविधा उपलब्ध करवाने की दृष्टि से बैंक ने 765 एटीएम लगाए हैं । एटीएम साझेदारी हेतु 'मित्र' नाम से पांच अन्य बैंकों अर्थात् ओरियन्टल बैंक आफ कॉमर्स, इण्डियन बैंक,करूर वेश्य बैंक ,यूको बैंक तथा इण्डस इण्ड बैंक के साथ समझौता किया है। इसके अतिरिक्त, बैंक ने भारतीय स्टेट बैंक के साथ एटीएम साझेदारी समझौता करने के साथ-साथ आइडीआरबीटी के अन्तर्गत नैशनल फाइनान्शियल स्विच के साथ एटीएम की सदस्यता के लिए समझौता किया है। इससे ग्राहक देश भर में 13000 एटीएम नेटवर्क का लाभ उठा सकते हैं ।

* इसके अतिरिक्त, बैंक का ' माइस्ट्रो ' डेबिट कार्ड सभी माइस्ट्रो /सिर्रस लोगो वाले एटीएम पर स्वीकार्य है। जिन एटीएम पर बैंक का कार्ड प्रयोग किया जा सकता है उन एटीएम की कुल संख्या 24000 से अधिक है । इसके साथ साथ, बैंक का डेबिट कार्ड 2 लाख से अधिक विक्रेताओं से खरीददारी के लिए प्रयोग किया जा सकता है। बैंक ने 19 लाख एटीएम/डेबिट कार्ड जारी किए हैं।

* बैंक ने अपने क्रेडिट कार्ड कारोबार को करने के लिए एक संयुक्त उद्यम अनुषंगी कम्पनी की स्थापना करने का निर्णय लिया है। इस कार्य को आरम्भ करने के लिए बैंक ने परामर्शदात्री कम्पनी मै0 अर्नेस्ट एण्ड यंग को नियुक्त किया है। इस सम्बन्ध में भारतीय रिज़र्व बैंक से आवश्यक अनुमति प्राप्त की जाएगी।

* बैंक ने खुदरा तथा निगमित ग्राहकों के लिए इंटरनैट बैंकिंग सेवा लागू की है जिसके इस समय लगभग 1.16 लाख से अधिक प्रयोगकर्ता है। इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं को महत्वपूर्ण बनाने के लिए बिलों के भुगतान, रेल / हवाई जहाज की टिकटों का आरक्षण, इन्टरनेट से शॉपिंग, आरटीजीएस के जरिए निधियों को अन्य बैंकों के खातों में अन्तरण करने, विशिष्ट संगठनों/निधियों को दान देने, करों का भुगतान करने, पुस्तकों और पत्रिकाओं के लिए अंशदान देने इत्यादि सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।